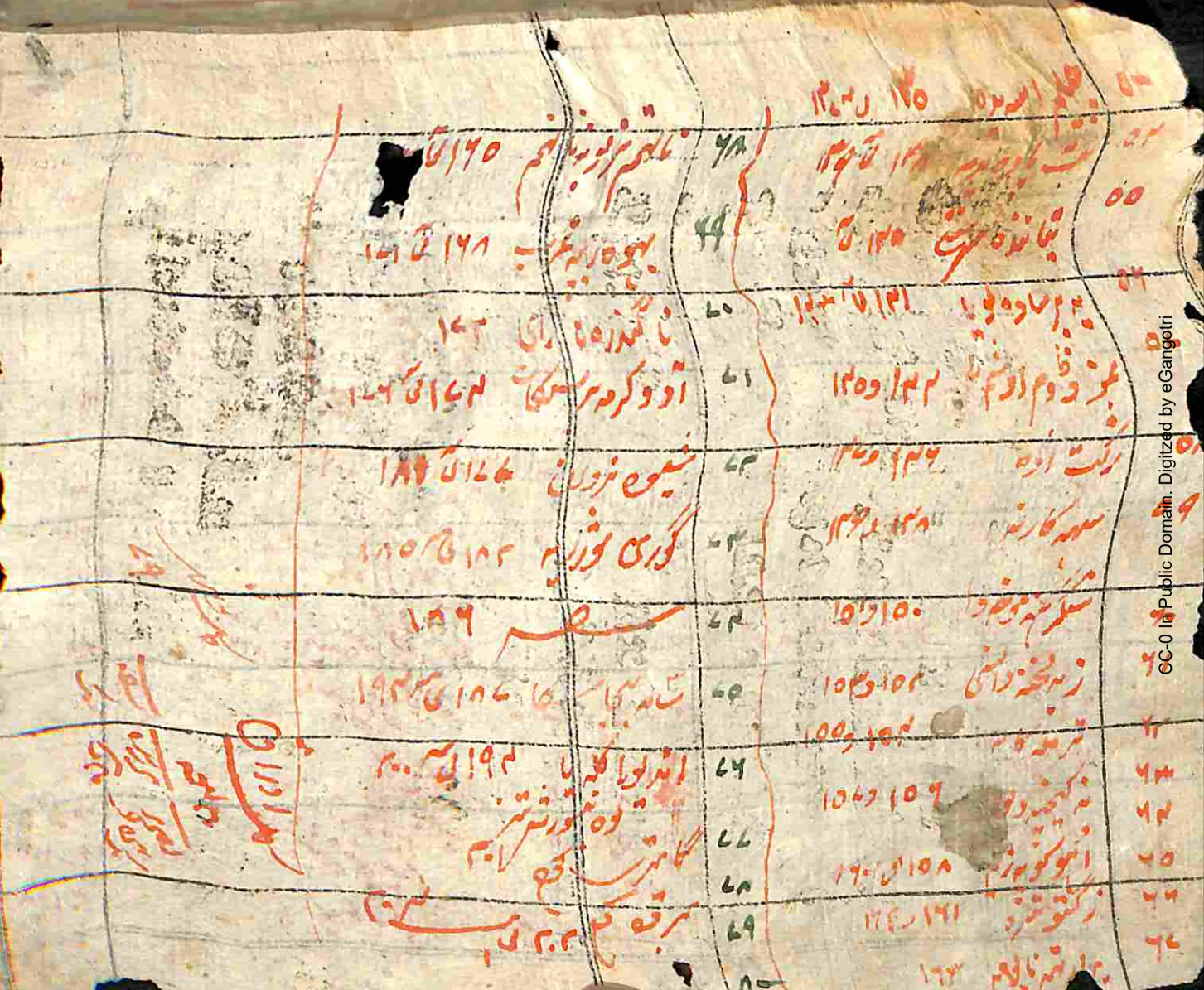

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

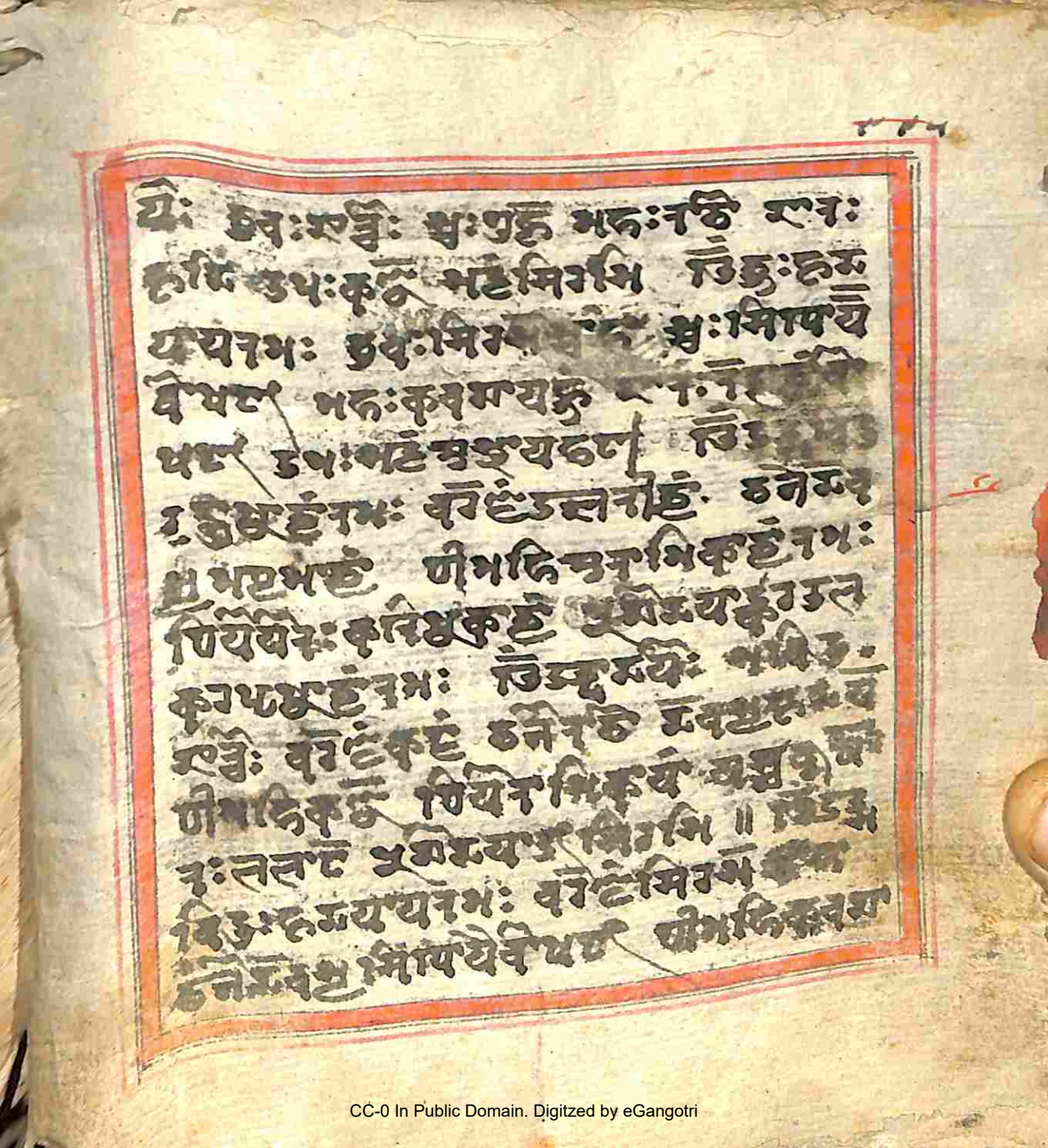

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

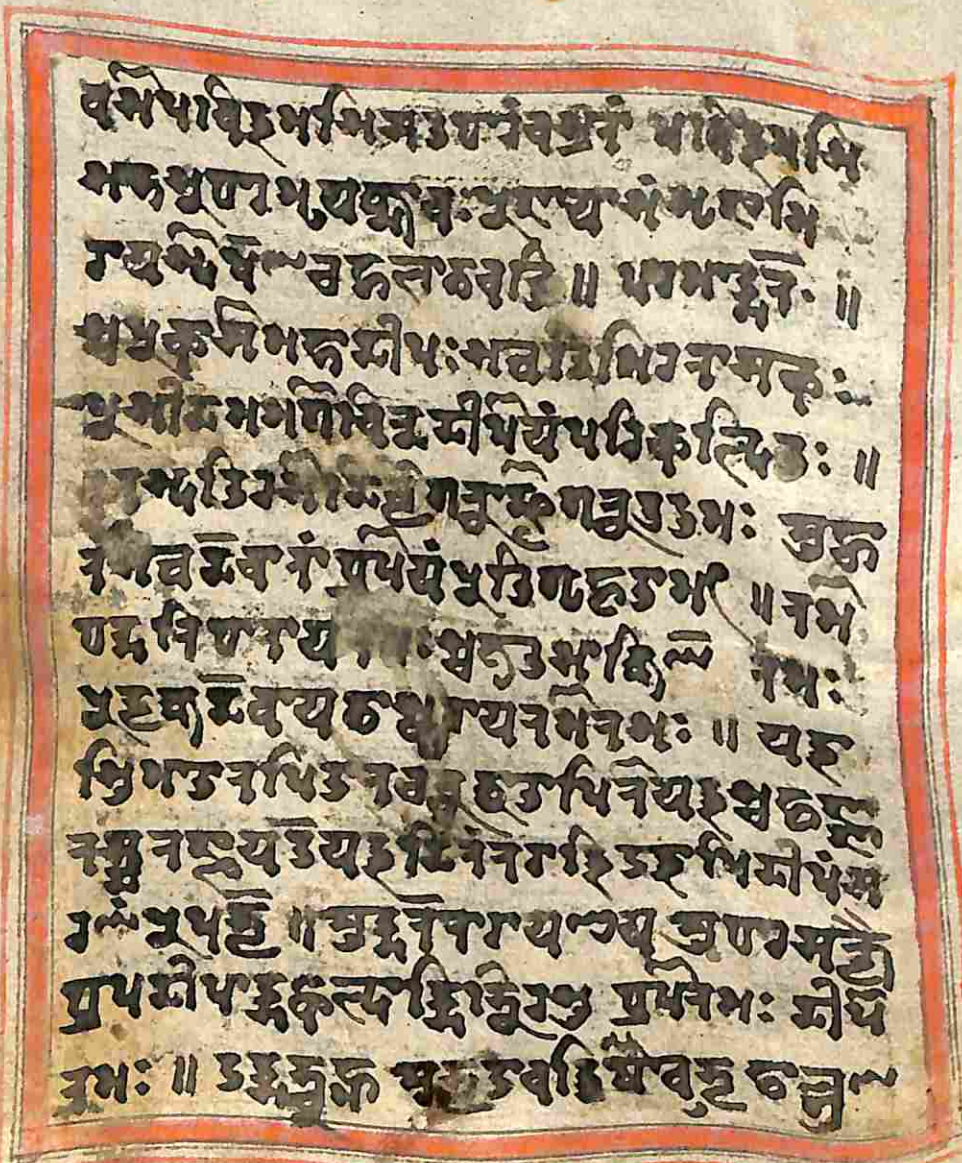

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

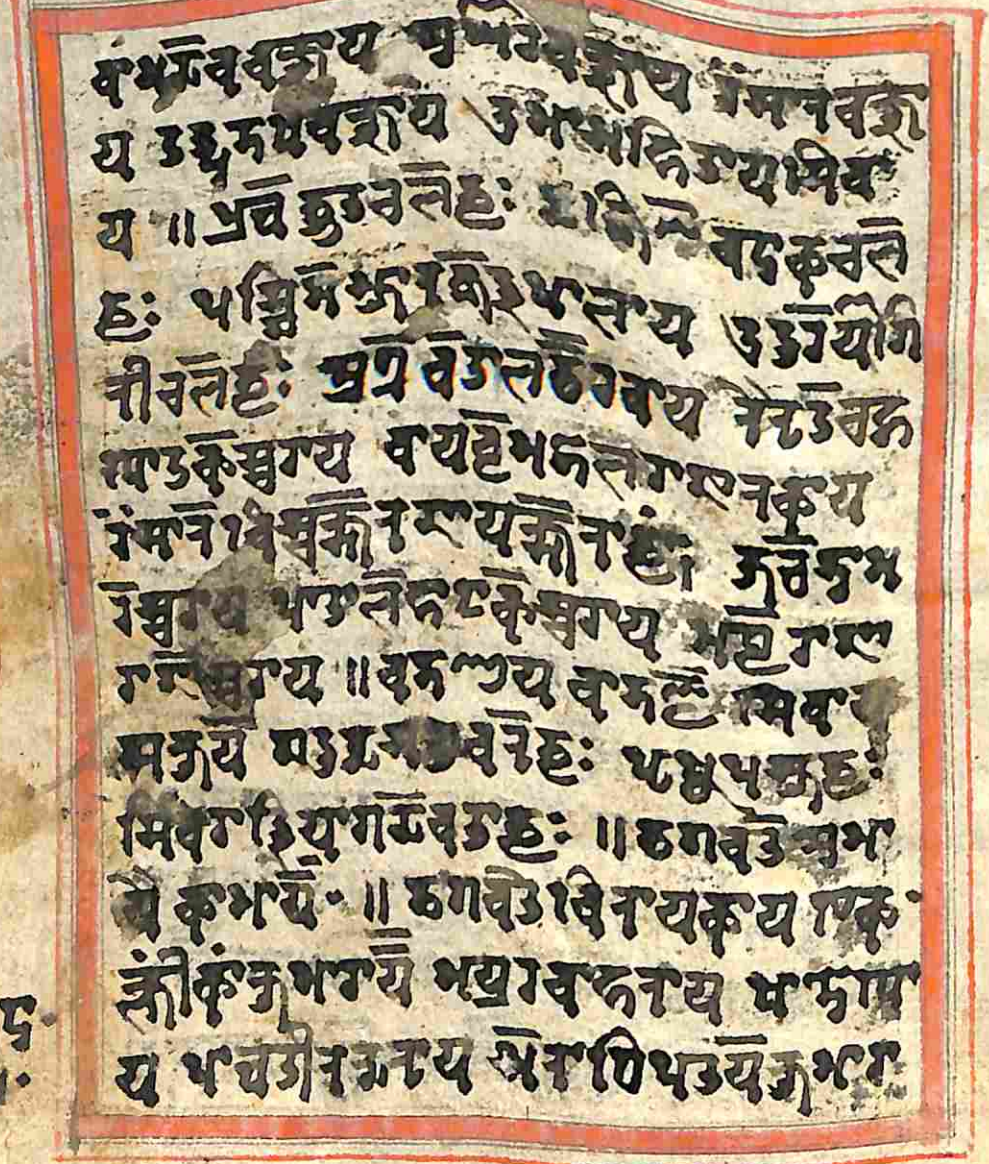

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

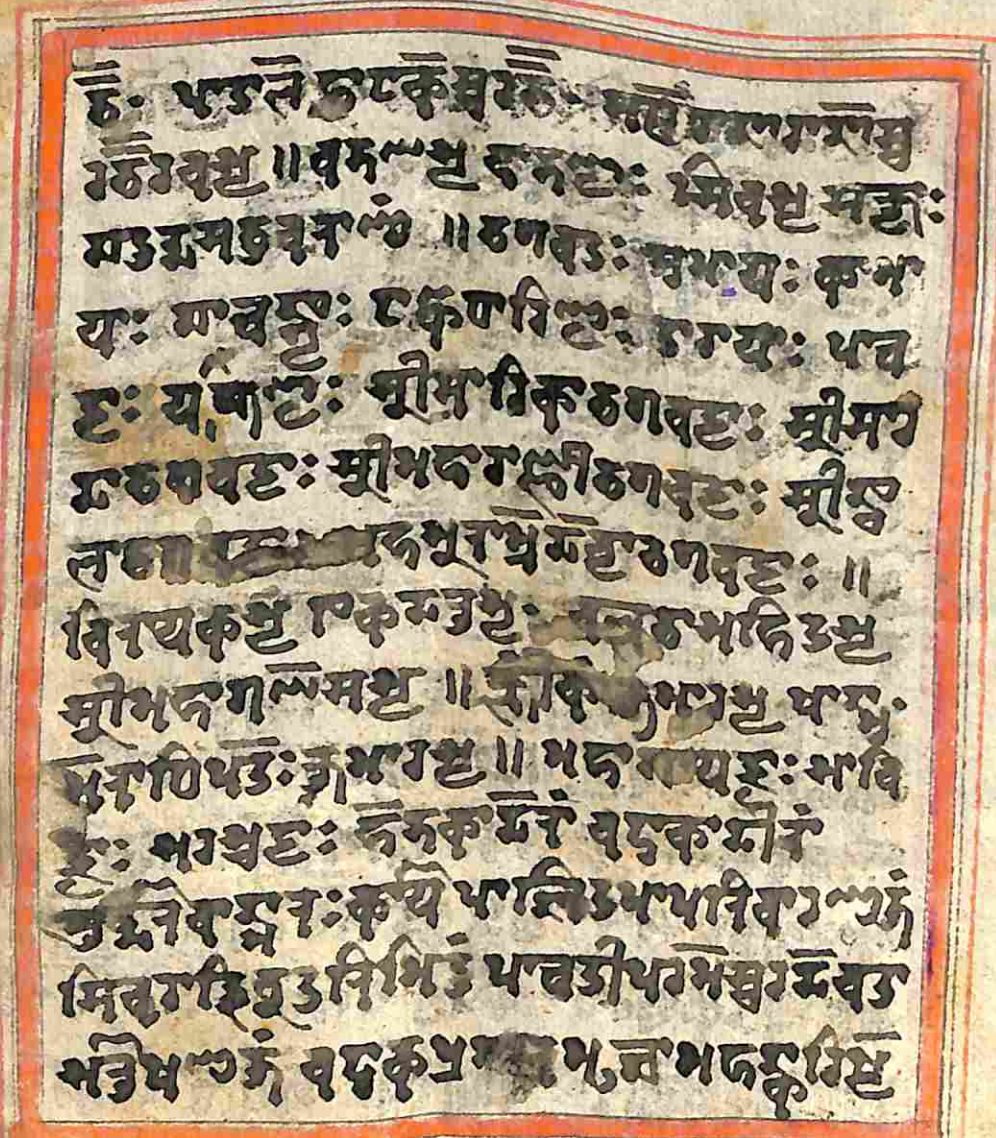

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ नमो भगवते त्रैलोक्यप्रक्षोभणकराय महाबलपराक्रमाय महाबुद्धिश्रीप्राप्तकराय महाविद्याराजाय महाविद्येश्वराय भगवतः सर्वज्ञस्य सर्वज्ञवरदस्य सर्वलोकैकनाथस्य सर्वलोकैकबन्धोः सर्वलोकैकशरण्यस्य सर्वलोकैकपितामहस्य सर्वलोकैकविशुद्धसत्त्वस्य सर्वलोकैकसार्थवाहस्य सर्वलोकैकचक्षुषः सर्वलोकैकदक्षिणीयस्य सर्वलोकैकपुण्यक्षेत्रभूतस्य सर्वलोकैकमहाकारुणिकस्य सर्वलोकैकहितैषिणः सर्वलोकैकत्राणभूतस्य सर्वलोकैकशरणभूतस्य सर्वलोकैकालोकभूतस्य सर्वलोकैकोत्तरस्य सर्वलोकैकसदृशस्य सर्वलोकैकाप्रतिसमस्य सर्वलोकैकाप्रतिभागस्य सर्वलोकैकाप्रतिपुद्गलस्य सर्वलोकैकाप्रतिमस्य सर्वलोकैकाप्रतिरूपस्य सर्वलोकैकाप्रतिवीर्यस्य सर्वलोकैकाप्रतिबलस्य सर्वलोकैकाप्रतिधृतेः सर्वलोकैकाप्रतिमतेः सर्वलोकैकाप्रतिभानस्य सर्वलोकैकाप्रतिसंविदः सर्वलोकैकाप्रतिज्ञानस्य सर्वलोकैकाप्रतिविशिष्टस्य सर्वलोकैकाप्रतिपूजितस्य सर्वलोकैकाप्रतिपूजकस्य सर्वलोकैकाप्रतिसत्कृतस्य सर्वलोकैकाप्रतिसत्कारकस्य सर्वलोकैकाप्रतिगुरुकृतस्य सर्वलोकैकाप्रतिगुरुकारकस्य सर्वलोकैकाप्रतिमानितस्य सर्वलोकैकाप्रतिमानकस्य सर्वलोकैकाप्रतिपूजितस्य सर्वलोकैकाप्रतिपूजकस्य सर्वलोकैकाप्रतिवन्दितस्य सर्वलोकैकाप्रतिवन्दकस्य सर्वलोकैकाप्रतिनमस्कृतस्य सर्वलोकैकाप्रतिनमस्कार

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

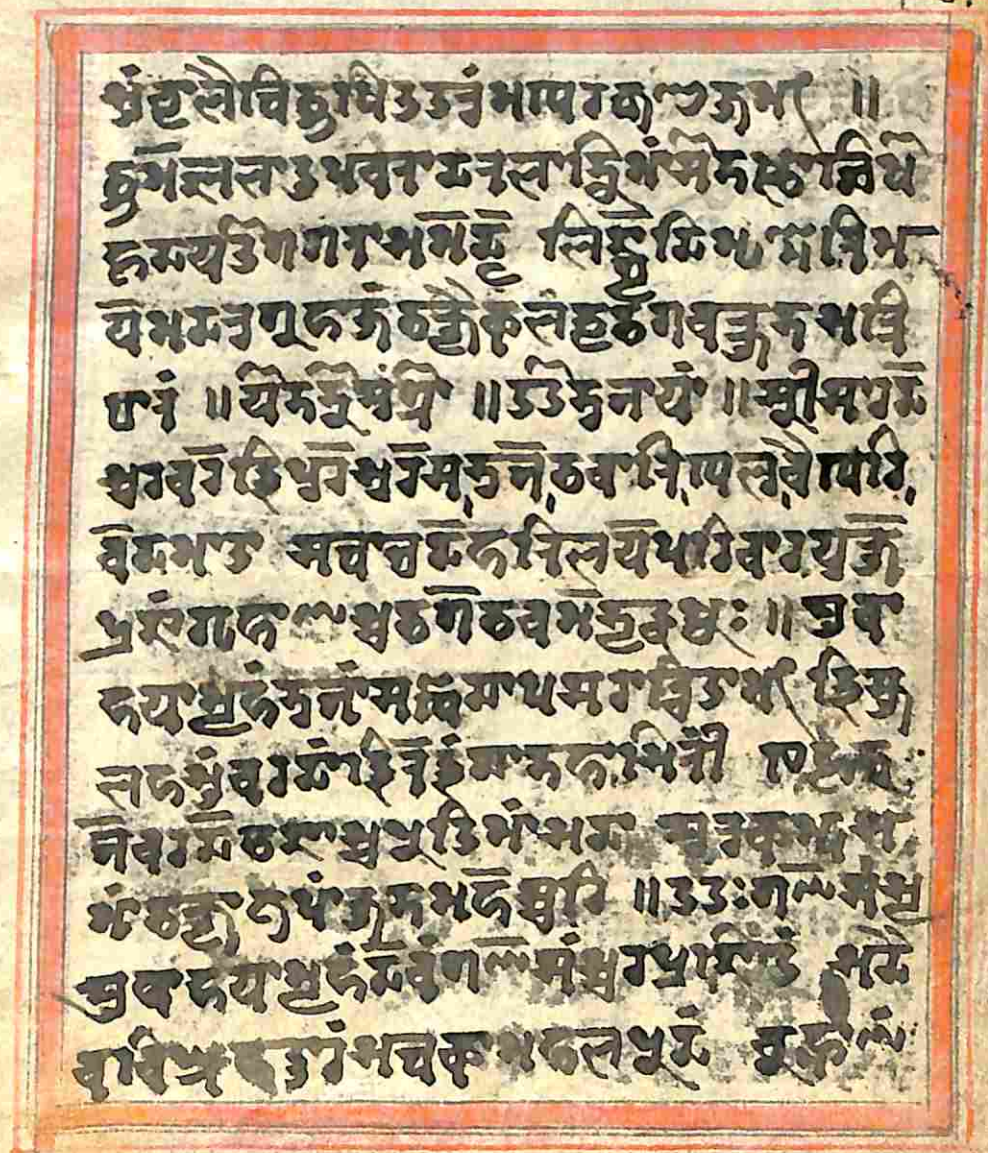

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

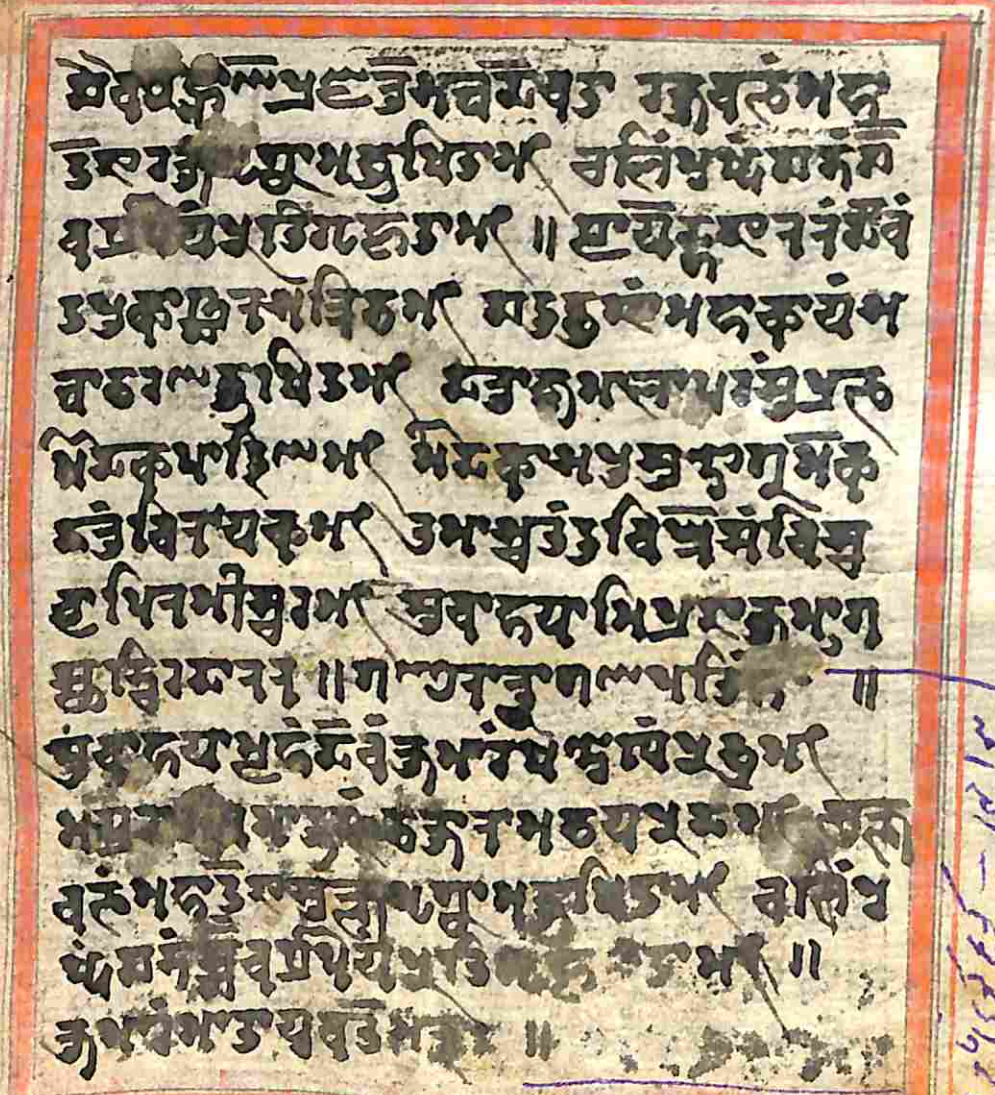

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

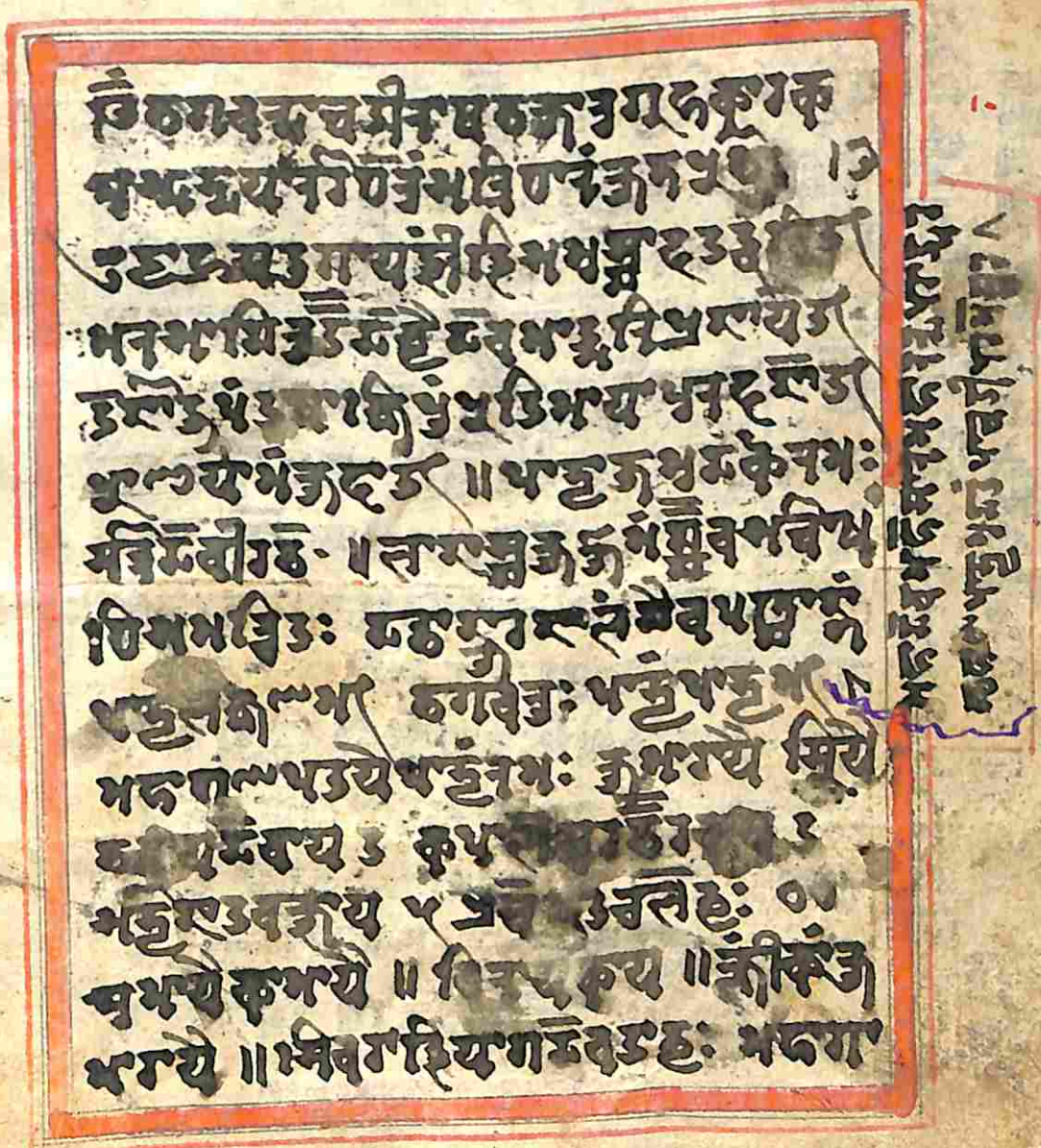

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

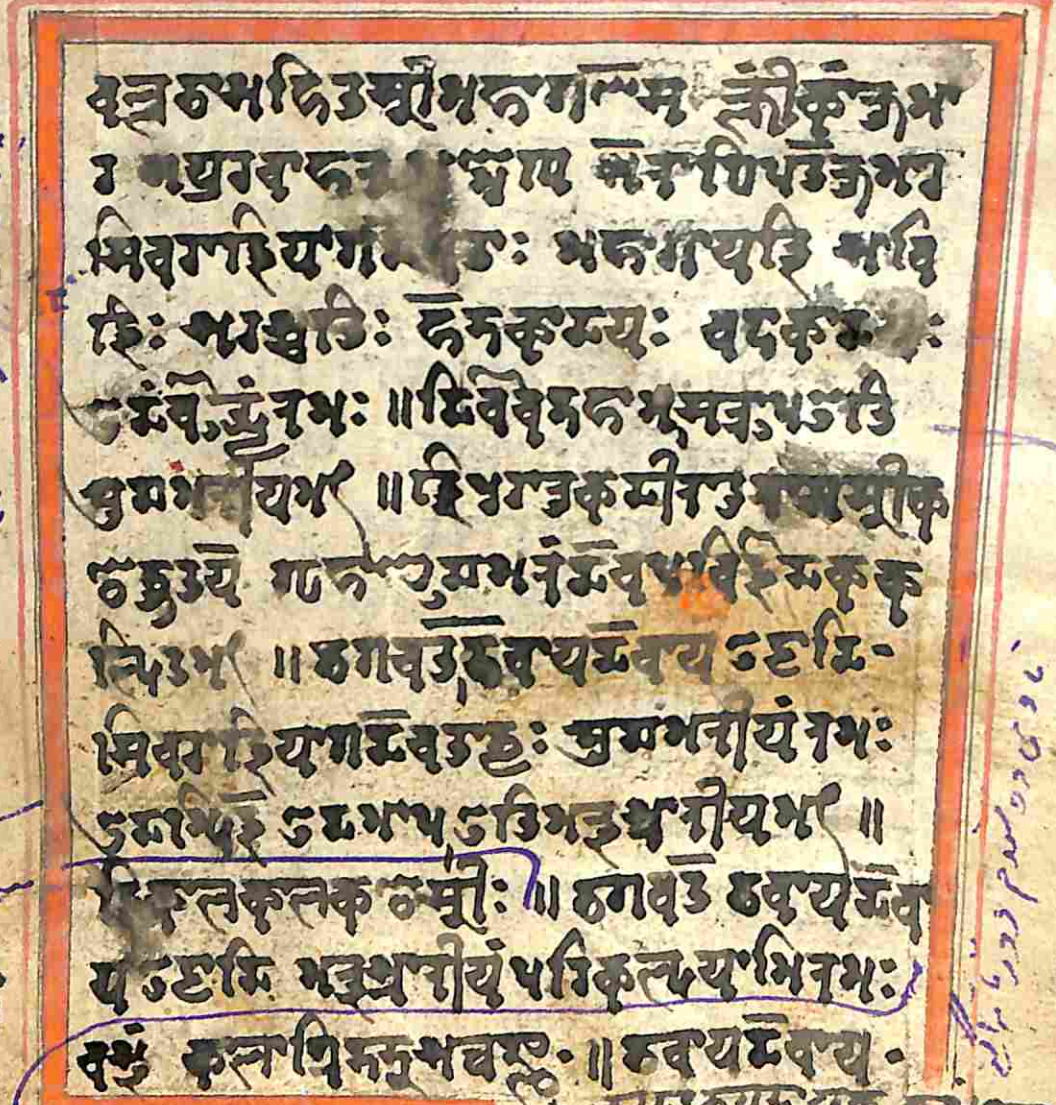

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ह्रीं श्रीं धृतिं कुरु कुरु स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं
पद्मिनि मम गृहे अवतर अवतर स्वाहा ॐ
ह्रीं श्रीं ॥ ॐ ह्रीं श्रीं विश्वाकर्ष्यनमः ॐ
विश्वाकर्षनमः ॐ विश्वमाकर्षनमः
ॐ विश्वमाकर्षिनेनमः ॐ प्रमदनमः
ॐ प्रमदकरेनमः ॐ ह्रीं श्रीं विश्वमोहन
करेनमः ॐ मदनपद ॐ रतिम
मोहनपद ॐ कमनपद ॐ मनम
थनपद ॐ अष्टकमदनपद ॐ सर्व
सम्मतपद ॐ त्रिजगत्सम्मत ॐ त्रिभुवन
सम्मत ॐ त्रिलोकसम्मत ॐ त्रिलोक
वशपद ॐ प्रणतसेनमः ॐ नमः
ॐ पद्मेस्थितायै ॐ पद्मालयायै ॐ मद
पुष्पपद्मवासायै ॐ पद्मिनिपद्मवा

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

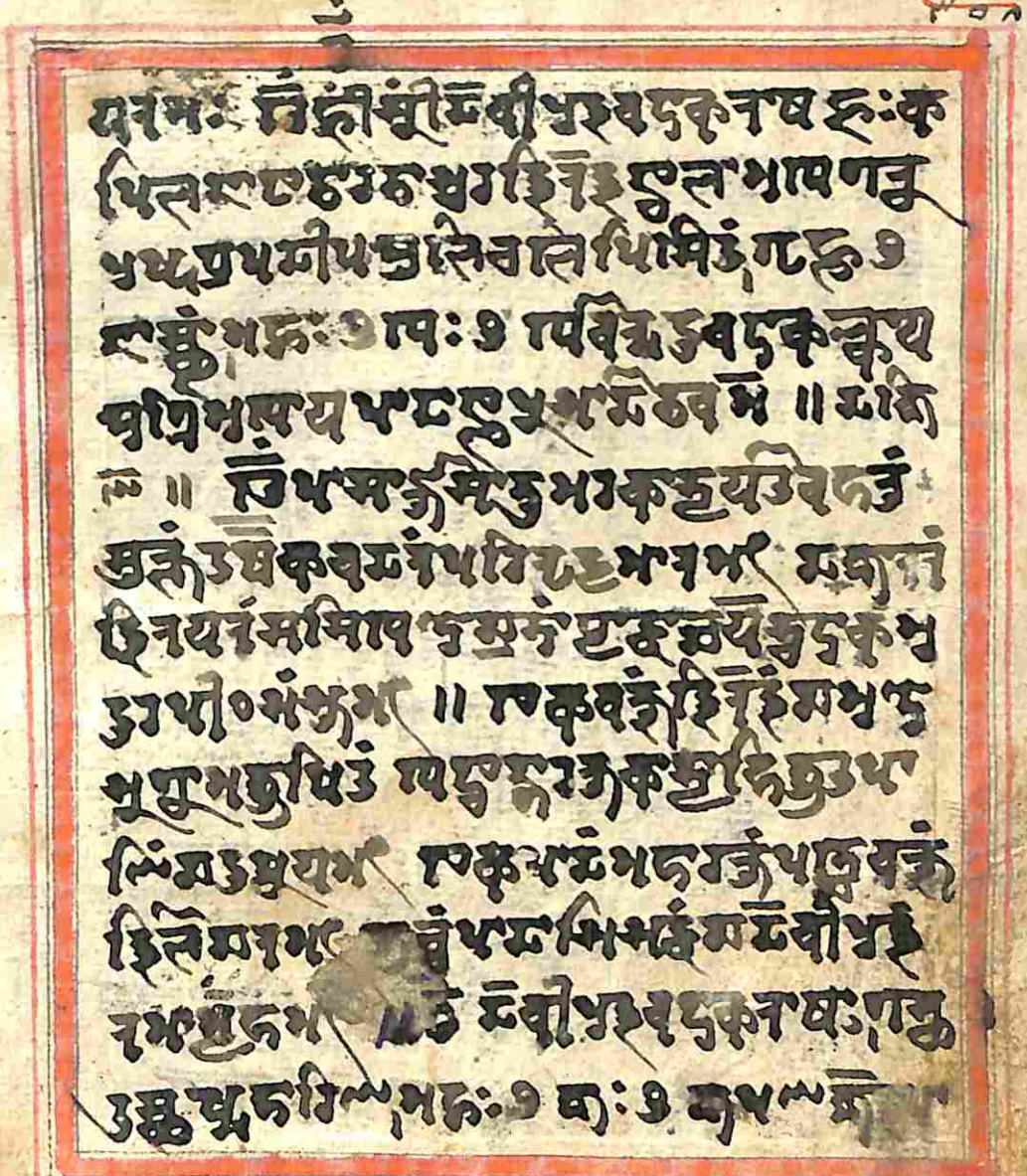

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

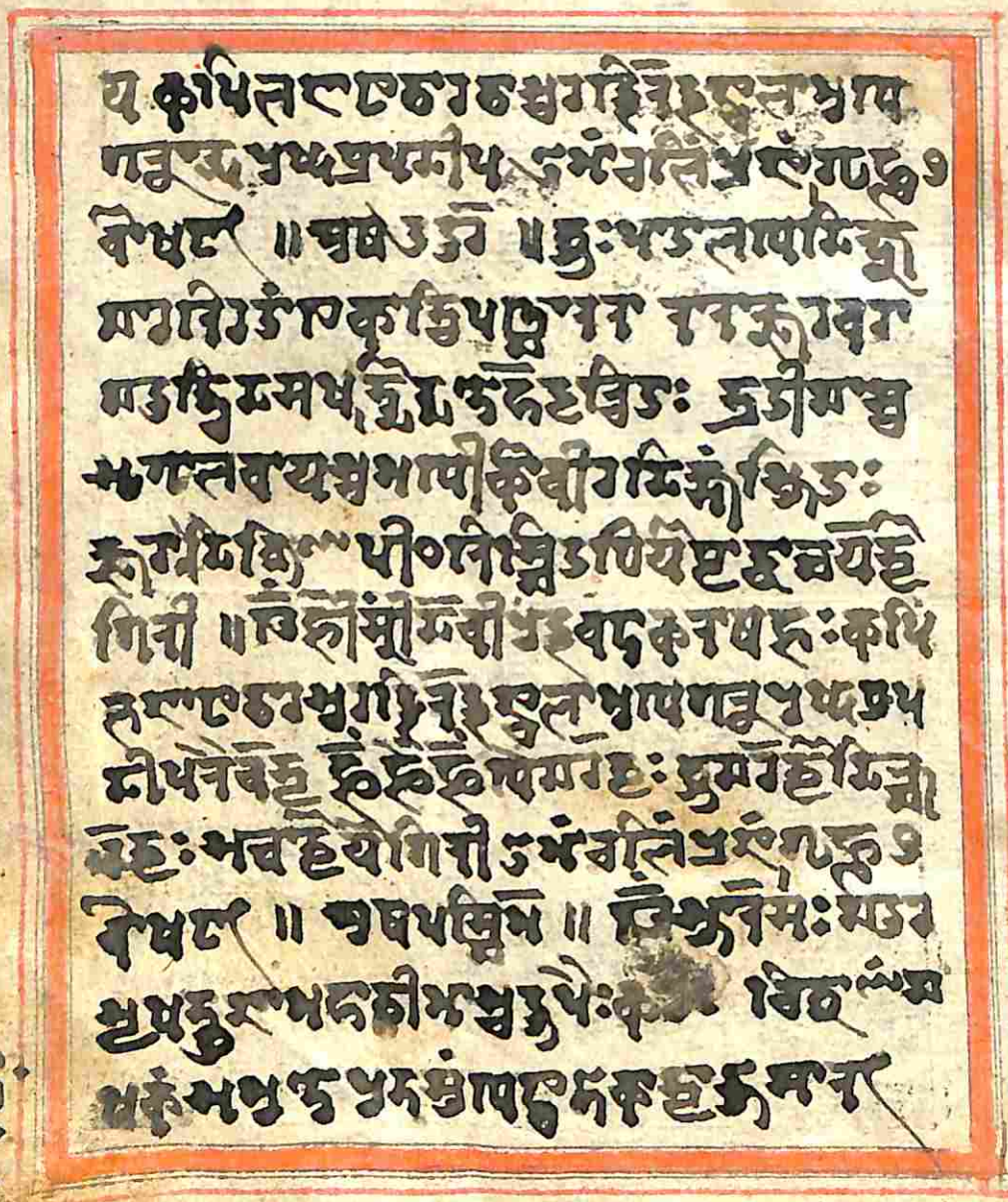

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

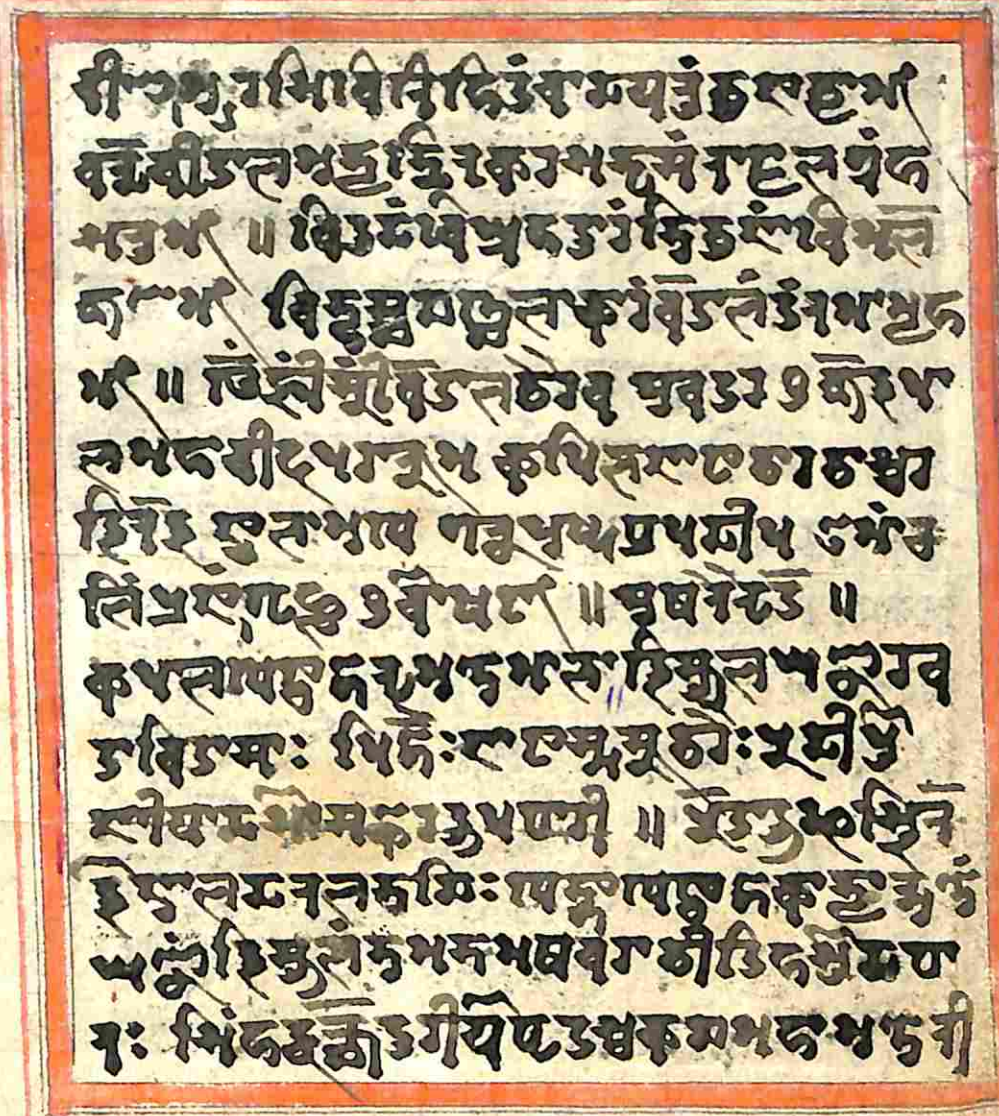

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

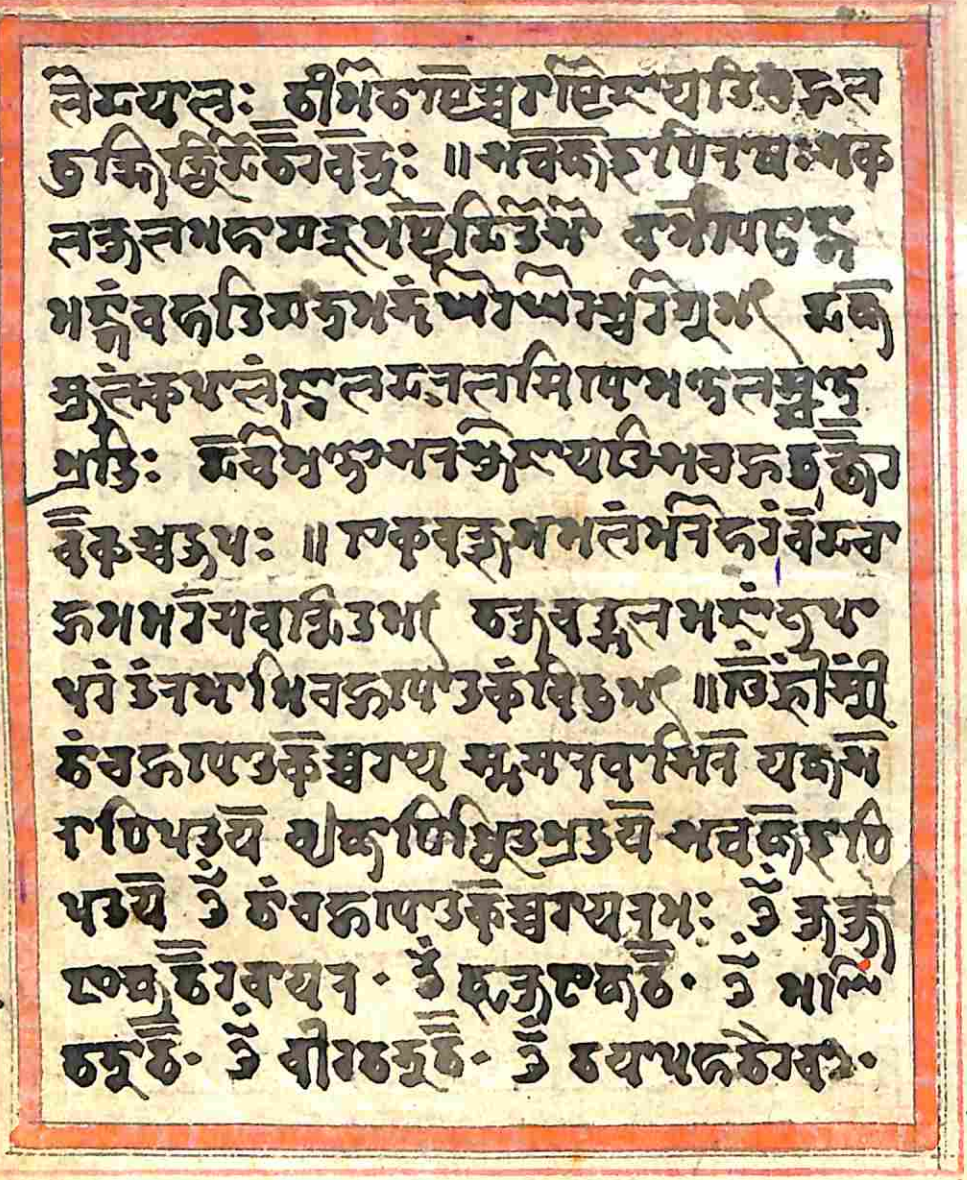

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ कङ्कतनैः ॐ कुलिशनैः ॐ कुलपतनैः
ॐ कंचनाभकेशाय ॐमंत्रतिंत्रअंगरक्षः
कैधर्ल् स्वाहा ॥ सप्तदशम् ॥ श्रीभक्तक
णिकैवर्तनाभकनकपुष्पिताभ वक्त्र भक्त
स्यकंठेसमीप्सितंविदेम ॥ कपर्दाय
नणाधिपतेमनोन्मनीकुरुमेदिक्षु
नः सप्तदशेनक्षत्रेनमस्तेस्वीयमस्मि
भक्तस्यकीर्तिः ॥ ॐ भक्तवत्सलकंठ
सर्वसत्वा ॥ कपिलजटाकलापशशिखंड
कृतभाल गजचर्मधर श्रीपतिं भक्तैश्व
र्यं ॐ अ ॐ भ ॐ प ॐ त ॐ क ॐ ठ ॐ
कनकभासविभवे ॐ नः भक्तवत्सलकंठ
ॐमंत्रतिंत्रअंगरक्षः कैधर्ल् ॥ स्वधेस्वधे॥
स्त्रिवत्सस्तुभवमनंविरोचनमनंतमः ॐधनी

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ऽभयत्रिंप्रयंगऽकुवेधल ॥ ऽतिभद्दे ॥
धऽकवभेवऽकुंऽल्लसिवऽभिऽं श्वत्रैकुऽव
ऽं मऽकुंऽऽभऽऽयेनिधिल्लठयऽकुंभाणवी
प्रलभंऽऽभ नीत्रेकऽभऽकेमेभिऽवभवभ
धेऽस्तवभऽभणं भऽऽभुंभऽकेंभश्वत्रऽ
ऽधेभऽऽभ्रंभमि ॥ ऽं भंभऽऽठिभऽऽभ
ऽकाभ्यऽकठिभव कुंऽभल्लवऽभ ० धिभ्रत्रभ
भय ० कपिलाभ्यठऽभ ऽभंभत्रिंप्रयंगऽकु ०
वेधल ॥ कपालभत्रऽभाभ्रंभवंऽभभ्र
तिभ वंभठयऽकऽठेकऽऽपऽकुंभणनिं
भिंऽल्लऽकुं ऽतीयंभऽकुंभवंठयधऽभ
कभऽतंभऽकुंभवंऽभाभ्रंऽकुंधिं ॥ ऽं ऽं
भः ऽप्रत्रिंस्त्रठेभव कुंऽपल्लवऽभ ० धिभ्र
त्रभय ० कपिलाभ्यठऽभ ऽभंभत्रिंप्रयं

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

नमः सर्वे लक्ष्मी विमलकमले नमस्तुभ्यं
मूलपद्मे मूलकमले कर्णिकमलेभ्यः मूलक
मिलकमलिकमलेभ्यः मूलचक्रस्वाय
नमस्काय मूलपद्मेभ्यः नमस्काय ब्रह्मणे
नमस्काय ब्रह्मपद्मेभ्यः नमस्काय ब्रह्मणी

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri